SECONDARY EXAMINATION – 2021 (ANNUAL) **124**

(Model Set)

MAITHILI (OPT)

(मैथिली)

समय : 03 घंटे 15 मिनट पूर्णांक : 100

Time : 03 Hrs 15 Monutes **Full Marks : 100**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :–

Instructions for the Candidates :-

1. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
2. दाहिनी ओर हाशिए पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
3. उत्तर लिखते समय परीक्षार्थी यथासंभव शब्द–सीमा का ध्यान रखें।
4. प्रश्न–पत्र पढ़ने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।
5. यह प्रश्न–पत्र दो खण्डों में है, खण्ड–अ एवं खण्ड–ब।
6. खण्ड–अ में 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। इनमें से किन्हीं 50 प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित है। इनका उत्तर उपलब्ध कराये गये OMR–शीट में दिये गये सही वृत्त को भरने के लिए काले/नीले बॉल पेन का प्रयोग करें। किसी भी प्रकार के ह्वाइटनर/तरल पदार्थ/ब्लेड/नाखून आदि का उत्तर–पुस्तिका में प्रयोग करना मना है। ऐसा करने पर परीक्षा–परिणाम अमान्य होगा।
7. खण्ड–ब में कुल 6 विषयनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के समक्ष अंक निर्धारित हैं।

8. किसी तरह के इलेक्ट्रॉनिक–यंत्र का प्रयोग वर्जित है।

खण्ड–'अ' (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

प्रश्न संख्या 01 सँ 100 धरिक प्रत्येक प्रश्नक संग चारि–चारि विकल्प (A, B, C, D) देल गेल अछि, जाहिमे एक सही अछि। सही विकल्प चुनि कय ओ0 एम0 आर0 शीट मे भरू। उक्तमे कोनो **पचास** प्रश्नक उत्तर दिअ। **50X1 =50**

1. वैधनाथ मिश्र 'यात्री' के कविता अछि

(A) गाम आ शहर (B) हम भेटब

(C) युगधर्म (D) सनातन मानव

2. 'अकाल' शीर्षक कविताक लेखक छथि

(A) आरसी प्रसाद सिंह (B) मेनका मल्लिक

(C) मार्कण्डेय प्रवासी (D) वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री'

3. 'हम भेटब' क रचयिता छथि

(A) बिलट पासवान 'विहंगम' (B) नरेन्द्र झा

(C) मार्कण्डेय प्रवासी (D) विभूति आनन्द

4. उदय चन्द्र झा 'विनोद' क रचना अछि

(A) गाम आ शहर (B) सनातन मानव

(C) अकाल (D) फूलक नोर खसल

5. 'मिथिलांचलक उत्थान' कोन पोथीमे संग्रहीत अछि?

(A) मैथिली गद्य मालिका

(B) मैथिली पद्य मालिका

(C) मैथिली भाषिकी

(D) प्रवेशिका मैथिली गद्य–पद्य संग्रह

6. नरेन्द्र झाक रचना अछि

(A) वैश्वीकरण आ अर्थव्यवस्था (B) मिथिलांचलक उत्थान

(C) राष्ट्रीय एकताक प्रासंगिकता (D) आउ, हम बेटी विमर्श करी

7. 'मिथिलाक प्राचीनताः वर्त्तमान अस्मिता' क रचनाकार छथि

(A) भाग्य नारायण झा (B) वासुकीनाथ झा

(C) देवकान्त झा (D) नरेन्द्र झा

8. विभूति आनन्दक लिखल अछि

(A) आउ, हम बेटी विमर्श करी (B) मिथिलांचलक रंग ओ शिल्प

(C) सनातन मानव (D) गाम आ शहर

9. ''शहर शहर में फुजल–सिनेमा, क्यो नहि सुनए पुरान'' पाँती अछि

(A) 'सनातन मानव' क (B) 'फूलक नोर खसल' क

(C) 'गाम आ शहर' क (D) 'युगधर्म' क

10. 'धरतीक काँढ़ करेज फटै छै' पाँती अछि

(A) 'फूलक नोर खसल' शीर्षकक (B) 'हम भेटब' शीर्षकक

(C) 'अकाल' शीर्षकक (D) 'सनातन मानव' शीर्षकक

11. 'पिया मोर बालक, हम तरूणी गे, क रचनाकार छथि

(A) हरिमोहन झा (B) यात्री

(C) विद्यापति (D) विभूति आनन्द

12. संधिक भेद अछि

(A) दू (B) तीन

(C) चारि (D) पाँच

13. 'निष्फल' क सन्धि–विच्छेद होएत

(A) निष + फल (B) निः + फल

(C) निष्फ + ल (D) निश + फल

14. 'पयोधर' क सन्धि–विच्छेद होइछ –

(A) पय + धर (B) पयो + धर

(C) पयः + धर (D) पयोध + र

15. 'प्रत्येक' क सन्धि–विच्छेद अछि

(A) प्र + त्येक (B) प्रति + एक

(C) प्रती + ऐक (D) प्रतिः + एक

16. कारक क भेद होइछ

(A) पाँच (B) छओ

(C) सात (D) आठ

17. क्रिया क मुख्य भेद अछि

(A) दू (B) तीन

(C) चारि (D) पाँच

18. काल क भेद होइछ

(A) तीन (B) चारि

(C) पाँच (D) छओ

19. समास क मुख्य भेद होइछ

(A) पाँच (B) छओ

(C) सात (D) आठ

20. 'लम्बोदर' समास अछि

(A) तत्पुरूष (B) कर्मधारय

(C) द्वन्द्व (D) बहुब्रीहि

21. 'अगिया बेताल' क अर्थ होइछ

(A) परिश्रम करब (B) साहसी

(C) ईर्ष्या होयब (D) धोखा देब

22. 'दाँत निपोरब' क अर्थ अछि

(A) व्यर्थ कानब (B) भीख माँगब

(C) गिड़गिड़ायब (D) क्रुद्ध होयब

23. 'गोबर गणेश' क अर्थ होइछ

(A) पराजित होयब (B) मंदबुद्धि

(C) नष्ट होयब (D) तुच्छ होयब

24. 'भए गेलाह बाबा ..... आन्हर आर बहीर।' – एतए रिक्त स्थानमे होएत

(A) बैद्यनाथ (B) कपिलेश्वर

(C) भोला (D) महादेव

25. हमरा देशक इतिहास अछि

(A) आधुनिक (B) मध्यकालीन

(C) अनादि (D) प्राचीन

26. ''बरखा नहि भेलासँ काँढ़–करेज फटै छै .....'' एतए रिक्त स्थानमें होएत

(A) आकाशक (B) धरतीक

(C) किसानक (D) धानक

27. ''एखनहुँ लोक मिज्झर रहैत अछि .....'' एतए रिक्त स्थानमें होएत।

(A) गाममे (B) शहरमे

(C) वनमे (D) बागमे

28. मिथिलामे चीनी उद्योगक विकास प्रारम्भ भेल

(A) 1932 ई0 मे (B) 1942 ई0 मे

(C) 1950 ई0 मे (D) 2012 ई0 मे

29. मैथिल ललना पद्मश्री पौलनि

(A) सुनयना (B) शोभना

(C) मीनाक्षी (D) जगदम्बा

30. 'स्वान्तः सुखाय' केर अर्थ थिक

(A) स्वार्थ–साधन (B) परार्थ–सिद्धि

(C) अपन हृदयक सुख लेल (D) लोक–कल्याण लेल

31. ललित कला के भेद अछि

(A) तीन (B) पाँच

(C) सात (D) नओ

32. 'मिथिलाक शिल्पकला ओ चित्रकला' पोथी लिखलनि

(A) भास्कर कुलकर्णी (B) राधाकृष्ण चौधरी

(C) उपेन्द्र ठाकुर (D) पुपुल जयकर

33. डब्ल्यू0 जी0 आर्चरक पोथी थिक

(A) मधुबनी पेन्टिंग (B) मैथिली पेन्टिंग

(C) मिथिला पेन्टिंग (D) तिरहुत आर्ट्स

34. भाग्यनारायण झाक वृत्ति छल

(A) व्यवसाय (B) मैथिली पेन्टिंग

(C) मिथिला पेन्टिंग (D) तिरहुत आर्ट्स

35. 'अगस्त्यायनी' महाकाव्यक रचनाकार छथि

(A) मार्कण्डेय प्रवासी (B) आरसी प्रसाद सिंह

(C) काशीकान्त मिश्र 'मधुप' (D) उदयचन्द्र झा 'विनोद'

36. मिथिलांचल मे फसिल होइछ

(A) अगहनी फसिल (B) रब्बी फसिल

(C) भदै फसिल (D) उक्त तीनू

37. निम्नलिखतिमे स्वर वर्ण अछि

(A) क, ख (B) च, छ

(C) ट, ठ (D) इ, ई

38. 'अछि कविता कोईलीक बहिनपा' कहैत छथि

(A) मार्कण्डेय प्रवासी (B) मेनका मल्लिक

(C) बिलट पासवान 'बिहंगम' (D) आरसी प्रसाद सिंह

39. 'राजू पढ़ैत छलाह' काल अछि

(A) वर्त्तमानकाल (B) भूतकाल

(C) भविष्यत्काल (D) उक्तमें कोनो नहि

40. 'पाठशाला' समास अछि

(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरूष

(C) कर्मधारय (D) द्विगु

41. 'आंगुर उठायब' क अर्थ होइछ

(A) ईर्ष्या होंयब (B) बदनाम करब

(C) मोकाबला करब (D) थाह पायब

42. 'बलचनमा' क उपन्यासकार छथि

(A) हरिमोहन झा (B) यात्री

(C) नरेन्द्र झा (D) मार्कण्डेय प्रवासी

43. 'गोटी लाल करब' क अर्थ होइछ

(A) प्रचार करब (B) काज सुतारब

(C) विपरीत काज करब (D) मात करब

44. 'कारी अक्षर भैंस बरोबरि' केर अर्थ होइछ

(A) बहाना करब (B) निरक्षर

(C) वास्तविकताक अभाव (D) भिन्न विचारक लोक

45. 'कोल्हुक बड़द' केर अर्थ होइछ

(A) सदिखन काज कयनिहार (B) व्यर्थ समय बितायब

(C) भार होयब (D) विश्राम करब

46. 'विष्णु' क उपासक कहबैछ

(A) विष्णु भक्त (B) वैष्णव

(C) विष्णु साधक (D) ध्रुव

47. विशेषणक भेद होइछ

(A) तीन (B) चारि

(C) पाँच (D) छओ

48. मीनू गीत गाओत, उदाहरण अछि

(A) वर्त्तमान कालक (B) भूत कालक

(C) भविष्यत् कालक (D) अपूर्ण भूतकालक

49. 'विद्या + अर्थी = विद्यार्थी' शब्द सन्धि–विच्छेदक अन्तर्गत अबैछ

(A) स्वर सन्धि (B) व्यंजन सन्धि

(C) विसर्ग सन्धि (D) उक्त मे कोनो नहि

50. 'राम आम खाइत अछि' कारकक अन्तर्गत अबैछ

(A) कर्मकारक (B) करण कारक

(C) सम्प्रदान कारक (D) अपादान कारक

51. 'दालि–भात' समासक अन्तर्गत् अबैछ

(A) द्विगु समास (B) द्वन्द्व समास

(C) बहुब्रीहि समास (D) नञ् समास

52. 'नेनपन' संज्ञाक भेदक अन्तर्गत अबैछ

(A) जातिवाचक संज्ञा (B) समूहवाचक संज्ञा

(C) द्रव्यवाचक संज्ञा (D) भाववाचक संज्ञा

53. 'सूर्यमुखी' काव्य संग्रहक रचनाकार छथि

(A) वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री' (B) आरसी प्रसाद सिंह

(C) मार्कण्डेय प्रवासी (D) देवकान्त झा

54. उदयचन्द्र झा 'बिनोद' क वृत्ति छल

(A) नेता (B) अंकेक्षक

(C) अभियन्ता (D) शिक्षक

55. 'मनोरथ' क नाटककार छथि

(A) नरेन्द्र झा (B) बासुकीनाथ झा

(C) भाग्य नारायण झा (D) विभूति आनन्द

56. 'नवतुरिया' क उपन्यासकार छथि

(A) वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री' (B) नवीनचन्द्र मिश्र

(C) उदयचन्द्र झा 'विनोद' (D) भाग्य नारायण झा

57. 'मन्दिर, मस्जिद आ गिरजाघर, हमर चेतना केर निकेतन' पाँती अछि

(A) 'युगधर्म' क (B) 'सनातन मानव' क

(C) 'फूलक नोर खसल' क (D) 'हम भेटब' क

58. एखनो के गाममे चैन सँ अछि ?

(A) अमीर (B) फकीर

(C) गरीब (D) धनीक

59. 'देश चाही तँ ..... गामके बन्धु' रिक्त स्थान मे होएत

(A) बचाबी (B) बसाबी

(C) उजारी (D) त्यागी

60. 'पत्रहीन नग्न गाछ' क कवि छथि

(A) मधुप (B) यात्री

(C) किरण (D) अमर

61. 'यात्री' क जन्म स्थान अछि –

(A) चौगमा (B) तरौनी

(C) एरौत (D) खुटौना

62. 'नवतुरिया' क विधा अछि –

(A) कथा (B) उपन्यास

(C) काव्य (D) एकांकी

63. 'जनमितहि मारि दितिअइ नोन चटाकए

कुहरए नहि पड़ितए घेंट कटाकए'' – लिखलनि अछि –

(A) हरिमोहन झा (B) यात्री

(C) मधुप (D) सीताराम झा

64. विभूति आनन्द क मूल नाम अछि

(A) विभूति कुमार झा (B) विभूति चन्द्र झा

(C) नवीन चन्द्र झा (D) वर्धमान झा

65. 'गहन' क शब्दार्थ होइछ –

(A) पूर्णिमा (B) अमावश्या

(C) संकराँति (D) ग्रहण

66. 'हेरि' क शब्दार्थ होइछ –

(A) ताकि कैँ (B) बिछि कैँ

(C) चुनि कैँ (D) जोड़ि कैँ

67. 'गात' क शब्दार्थ होइछ –

(A) पात (B) हाथ

(C) शरीर (D) पेट

68. 'बेराम' क शब्दार्थ होइछ –

(A) आराम (B) विश्राम

(C) अस्वस्थ (D) पियासल

69. 'सनातन' क शब्दार्थ होयत –

(A) परम्परागत (B) ऐतिहासिक

(C) पुरान (D) धर्म

70. आरसी प्रसाद सिंहक जन्म स्थान जिलान्तर्गत अछि –

(A) सहरसा (B) सीतामढ़ी

(C) समस्तीपुर (D) पूर्णिया

71. 'पूजाक फूल' क रचयिता छथि –

(A) मार्कण्डेय प्रवासी (B) उदयचन्द्र झा 'विनोद'

(C) विभूति आनन्द (D) आरसी प्रसाद सिंह

72. बासुकीनाथ झाक रचना अछि –

(A) उपक्रम (B) अनुशीलन अवबोध

(C) सोनक ममता (D) कथा कल्प

73. 'पद्म श्री' उपाधि सँ अलंकृत भेलाह –

(A) बिलट पासवान 'बिहंगम' (B) आरसी प्रसाद सिंह

(C) मार्कण्डेय प्रवासी (D) मन्त्रेश्वर झा

74. 'तत्त्व चिन्तामणि' क रचनाकार छथि –

(A) गंगेश उपाध्याय (B) चण्डेश्वर ठाकुर

(C) उमापति (D) लोचन

75. मार्कण्डेय प्रवासी कँ साहित्य अकादेमी पुरस्कार भेटलनि –

(A) 1981 ई0 मे (B) 1985 ई0 मे

(C) 1990 ई0 मे (D) 1995 ई0 मे

76. ''आइ भने किछु भाइ–बन्धु

सगरो बबूर बनि जनमल छथि,'' – पाँतीक शीर्षक अछि –

(A) फूलक नोर खसल (B) हम भेटब

(C) सनातन मानव (D) अकाल

77. 'मैथिली दस रूपक' के रचयिता छथि –

(A) नवीन चन्द्र मिश्र (B) देवकान्त झा

(C) नरेन्द्र झा (D) बासुकीनाथ झा

78. मैथिल ललना 'पद्म श्री' सँ सम्मानित भेलीह –

(A) महासुन्दरी देवी (B) सीता देवी

(C) गोदावरी देवी (D) गंगा देवी

79. 'काँच' कथा संग्रह लिखलनि –

(A) उदय चन्द्र झा 'विनोद' (B) मेनका मल्लिक

(C) विभूति आनन्द (D) भाग्य नारायण झा

80. ''सीबि आबी लगाबै छी नित्य चेफरी

व्यवस्था देशक बहुत जर्जर लगै–ए'' – लिखल अछि –

(A) यात्रीक (B) आरसी प्रसाद सिंहक

(C) मार्कण्डेय प्रवासीक (D) उरय चन्द्र झा 'विनोदक'

81. 'मिथिलाक आर्थिक विकास' लिखलनि अछि –

(A) नरेन्द्र झा (B) बासुकीनाथ झा

(C) देवकान्त झा (D) भाग्य नारायण झा

82. 'आँगन बहारि कऽ राखऽ पड़ैछ

ककरो अबैआ नहि छै, तैयो'' – एहि पद्यांशक शीर्षक अछि –

(A) युगधर्म (B) गाम आ शहर

(C) अकाल (D) सनातन मानव

83. 'अंकिया नाट विवेचन' क रचनाकार छथि –

(A) प्रेम शंकर सिंह (B) महेश्वरी सिंह 'महेश'

(C) नवीन चन्द्र मिश्र (D) बासुकीनाथ झा

84. निम्नमे स्वर वर्ण अछि –

(A) क, ख (B) त, थ

(C) प, फ (D) अ, आ

85. 'पवन' क सन्धि–विच्छेद होइछ –

(A) पौ + अन (B) प + अन

(C) पो + अन (D) पे + अन

86. 'उद्धार' क सन्धि–विच्छेद होइछ –

(A) उत् + हार (B) उद् + धार

(C) उद् + हार (D) उत् + धार

87. 'देवेन्द्र' क सन्धि–विच्छेद होएत –

(A) देव + इन्द्र (B) देवा + इन्द्र

(C) देवो + इन्द्र (D) दव + इन्द्र

88. कवि + ईश्वर = कवीश्वर शब्द सन्धि भेदक अन्तर्गत अबैछ –

(A) स्वर सन्धि (B) व्यंजन संधि

(C) विसर्ग सन्धि (D) एहिमे कोनो नहि

89. अ, आ वर्ण क उच्चारण स्थान थिक –

(A) कंठ्य (B) तालव्य

(C) मूर्द्धन्य (D) दन्त्य

90. मोहन गाम गेलाह – उदाहरण थिक –

(A) वर्त्तमान कालक (B) भूतकालक

(C) भविष्यत् कालक (D) अपूर्ण भूतकालक

91. 'विद्यार्थी' मे लिंग होएत –

(A) पुंलिंग (B) स्त्रीलिंग

(C) नपुंसक लिंग (D) उभय लिंग

92. 'मूर्ख' शब्दक स्त्रीलिंग होएत –

(A) मूर्खा (B) मूर्खी

(C) मूर्खीन (D) मुर्खाइन

93. 'हमरालोकनि' शब्दक एकवचन होइछ –

(A) हम (B) हमरा

(C) हमरासँ (D) हमहुँ

94. 'योगी' शब्दक बहुवचन थिक –

(A) योगिये (B) योगाएँ

(C) योगीगण (D) योगीयो

95. 'ज्ञानी पुरूष आबि रहल छथि' एहिमे 'ज्ञानी' शब्द थिक –

(A) संज्ञा (B) सर्वनाम

(C) विशेषण (D) क्रिया

96. 'पाछाँ' शब्दक विशेषण होएत –

(A) पछिला (B) पछिलुका

(C) पछिलका (D) एहिमे सभ

97. 'त्रिलोकी' क समास थिक –

(A) द्वन्द्व (B) द्विगु

(C) तत्पुरूष (D) कर्मधारय

98. 'यथाशक्ति' क समास अछि –

(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरूष

(C) कर्मधारय (D) द्विगु

99. 'आकाश टूटब' क अर्थ होएत –

(A) आकश सँ मेघ बरिसब (B) आकाश टूटि खसब

(C) आकस्मिक विपत्ति आएब (D) आकाश सँ बज्र खसब

100. 'छओ–पाँच करब' क अर्थ होइछ –

(A) छओ आ पाँच एगारह होएब (B) द्वन्द्व मे फसब

(C) निर्णय नहि करब (D) अनिर्णय होएब

<u>खण्ड – ब (विषयनिष्ठ प्रश्न)</u>

1. निम्नलिखितमे कोनो **एक** विषय पर निबंध लिखू : **10x1=10**

(लगभग 250–300 शब्द मे)

(क) बाढ़ि (ख) छात्र आ अनुशासन

(ग) स्वदेश प्रेम (घ) वसंत ऋतु

(ङ.) दियाबाती

2. कोनो **एक** प्रश्नक उत्तर दिअ : **7x1=7**

(क) वनभोजक वर्णन करैत अपना मित्रकेँ पत्र लिखू।

(ख) खेलकूदक व्यवस्था लेल प्रधानाचार्य केँ आवदेन लिखू।

3. निम्नलिखितमे कोनो **दूगोट** उद्धरणकेँ शीर्षक दैत संक्षेपण करू : **4x2=8**

(क) ''मिथिला माटि युग–युग सँ साहित्य, कला आ दर्शनक बीज संचित छैक। जहिया कहियो विकासक सुविधा भेटलैक ओ बीज वृक्ष बनि अयाची, मंडन, वाचस्पति, उदयनाचार्य आ विद्यापतिक रूप में पत्र–पुष्प सँ युक्त भेल। दर्शन, कला ओ साहित्यक फल तकरे परिणाम थिक।''

(ख) ''एहि पितृसत्तात्मक समाज में बेटी, ओ चाहे बहीन रहलि हो वा पुतोहु, पत्नी रहलि हो वा आनहि कोनो सम्बन्धक डोर सँ वन्हाएल रहलि हो, दोयम दर्जाक स्तर पर जीबैत रहलि अछि। ओकरा अपन होएबाक ने तऽ बोध भेलै, आ ने तेहन कोनो परिवेश भेटलै जेओ अपन स्वतंत्र अस्तित्व केँ निखारितए। समाजमे ओ सभ दिन दलित रूप में जीबैत रहलि। ककरो बेटी भऽ कऽ तऽ ककरो पत्नी भऽ कऽ अपन भऽ कऽ जीवाक जेना ओकरा अधिकारे नहि देलकै ई समाज।''

(ग) ''आतिथ्य ओ स्वाभिमान हमरा सभक परिचिति रहल अछि। आतिथ्य ओ भोजनप्रियताक प्रमाण ज्योतिरीश्वरक 'वर्णरत्नाकर' मे दही, पकवान अथवा अन्य सामग्रीक विशद वर्णन सँ सिद्ध अछि जे हमरालोकनिक सामान्य स्वभावक परिचायक अछि। स्वाभिमानक विषयमे तँ समस्त देशमे धारणा रहल

अछि–''मैथिलाः स्वाभावात् गुण गर्विणः भवन्ति''। शास्त्रज्ञ छी, व्यावहारिक छी तँ तकर गुणसँ गौरवान्वित सेहो छी। अकारण नहि।''

(घ) ''कहलो गेल अछि जे एकतामे बल अछि। एकतासँ जतए शक्ति–संचित होइत छैक; आत्म–बल बढ़ैत छैक, मर्यादाक रक्षा होइत छैक, सांस्कृतिक उत्कर्षक मार्ग प्रशस्त होइत छैक, ततहि विभाजन, ईर्ष्या, झगड़ा, राग और द्वेषसँ चारित्रिक पतन होइत छैक, जकर प्रभाव नहि मात्र समाजक एक इकाई पर पड़ैछ, अपितु राष्ट्रव्यापी प्रभाव एकर पड़ैत छैक। सम्पूर्ण राष्ट्र सएह प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रूपेँ अपन तंत्र–संचालन बाधित भए जाइछ, जकर लाभ अन्यान्य देश लेबए लगैछ।''

4. निम्नमे कोनो **एक** टाक आशय लिखू : **5x1=5**

(क) ''आइ भने किछु भाइ–बन्धु
सगरो बबूर बनि जनमल छथि,
भीतरसँ महकल छथि, तैयो–
बहर–बाहर गमकल छथि''

(ख) ''मिथिलाक संस्कृति मे 'लोक' एवं 'वेद' केँ समान महत्त्व देल गेल अछि। वैदिक विचारक संग–संग लोकाचारक महत्त्व समान रूपेँ रहल अछि। एतेक धरि जे कोनो पूर्व परिचितसँ भेट हम सब स्वतः पूछैत छी–लोक वेदक हाल कहू। लोक शब्द अत्यन्त व्यापक अर्थमे ग्रहीत रहल अछि–सामान्य जनक बोधक रहल अछि।''

5. निम्न लघूत्तरीय प्रश्नमे कोनो **पाँच** प्रश्नक उत्तर दिअ **2x5=10**

(क) आजुक युगमे वेद–पुराण के सुनैत अछि ?

(ख) धर्म ओ राष्ट्र भिन्न होइतो सभ मानवमे की लऽ कऽ समता छैक ?

(ग) किसान किए कुहरि रहल छथि ?

(घ) गामक गहवर कथीसँ गनगनाइत रहैत अछि ?

(ड.) राष्ट्रभाषाक रूपमे कोन भाषा प्रचलित अछि ?

(च) पठित पाठक आधार पर मिथिलांचलक चौहद्दी लिखू।

(छ) भूमि चित्र कोन अवसर पर लिखल जाइछ ?

(ज) भूमंडलीकरणक की अभिप्राय थिक ?

(झ) मिथिलाक कोनो दू प्राचीन विद्वानक नाम लिखू।

(ञ) शहरक कोनो दू विशेषताकेँ बताउ।

6. निम्नलिखितमे कोनो **दू** दीर्घोत्तरीय प्रश्नक उत्तर दिअ : 5x2=10

(क) समाजमे स्त्री जाति दुःस्थिति क विरोध कोना कयलनि अछि?

(ख) राष्ट्रीय एकताक की महत्त्व अछि ?

(ग) पठित पाठक आधार पर गामक विशेषताक वर्णन करू।

(घ) कविताक आधार पर आजुक युग–धर्मक चर्चा करू।